# Psychology

## Anxiety Disorder (दुश्चिंता विकार)

सभी व्यक्तियों को कभी न कभी डर का आभास अवश्य होता है। दुश्चिंता का अनुभव व्यक्ति को तब होता है जब वह किसी परीक्षा के लिये या किसी के आने की प्रतीक्षा कर रहा हो। दुश्चिंता को भय और आशंका के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। हृदय गति का तेज होना, सांस फूलना, बेचैन हो जाना, भूख न लगना आदि लक्षण दुश्चिंता के है।

## Causes of Anxiety Disorder

दुश्चिंता के कारण :-

दुश्चिंता के स्वरूप एवं लक्षणों के विषय का अध्ययन करने के पश्चात इसके कारणों को जानना भी आवश्यक है। इस विषय में अनुसंधान करने के पश्चात मनोवैज्ञानिकों द्वारा निम्नलिखित कारक स्पष्ट किए गए -

Scanned with CamScanner

# Psychology

1) चिन्ता उत्पन्न करने वाले निर्णय (Anxiety arousing Decisions)

वह व्यक्ति अपनी कठिनाइयों का निष्कर्ष नहीं निकाल पाते है जिनमे मुख्य शक्ति की कमी होती है। जिसकी वजह से कभी कभी उन्हे अपने तीव्र संवेगो के द्वारा अपनी आत्म-रक्षा के खण्डित होने की आशंका हो जाती है जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति को अत्यधिक चिन्ता हो जाती है।

ii) निराशा (Frustration)

चिन्ता का एक मुख्य कारण निराशा भी है। कुछ विद्वानो का कहना है कि व्यक्ति का अपने जीवन मे कई क्षेत्रो मे विफल होने के कारण उत्पन्न होने वाली निराशा व्यक्ति की चिन्ता का मुख्य कारण है

iii) दमित इच्छाएँ (Repression of Desires)

इस सम्बन्ध मे फ्रायड ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा है कि कुछ कारणो से व्यक्ति की यौन इच्छाएं असन्तुष्ट रह जाती है तथा वह अचेतन मे चली जाती है।

Scanned with CamScanner